नीलांचल इस्पात निगम का अधग्रिहण करेगी टाटा स्टील

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्र सरकार ने ओडिशा स्थति सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी नीलांचल इस्पात निगम लमिटिड (एनआईएनएल) को 12,100 करोड़ रुपए में टाटा स्टील लॉन्ग प्रोडक्ट्स लमिटिड (टीएसपीएल) को बेचने के प्रस्ताव को मंज़ूरी दे दी है।

प्रमुख बदिु

- आर्थिक मामलों की कैबनिट समिति द्वारा अधकिृत केंद्रीय सड़क परविहन मंत्री नितिनि गडकरी की अध्यक्षता वाली समिति, जसिमें वित्त मंत्री नर्मिला सीतारमण और वाणज्यि मंत्री पीयूष गोयल भी शामिल थे, ने 12,100 करोड़ रुपए की बोली लगाने के बाद टीएसपीएल को नीलांचल इस्पात का मालकिाना हक सौंपने की मंज़ूरी दी।
- नीलांचल इस्पात निगम लमिटिड के लिये तीन कंपनियों ने बोली लगाई थी जसिमें टाटा स्टील लॉन्ग प्रोडक्ट्स के अलावा जिंदल स्टील पावर लमिटिड, नलवा स्टील पावर लमिटिड और जेएसडब्ल्यू स्कील शामिल थी। लेकिन सबसे ज्यादा बोली लगाने के चलते यह कंपनी टाटा स्टील लॉन्ग प्रोडक्ट्स को सौंपी गई।
- एनआईएनएल सार्वजनिक क्षेत्र की चार कंपनियों एमएमटीसी (MMTC) लमिटिड, राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (NMDC), भेल (BHEL) और मेकॉन (MECON) लमिटिड समेत ओडिशा सरकार की दो कंपनियों OMC और IPICOL का संयुक्त उपक्रम है। नीलांचल इस्पात लमिटिड में इन सभी कंपनियों की 93.71 फीसदी हिस्सेदारी है।
- नीलांचल इस्पात का इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट ओडिशा के कलिंगनगर में स्थति है जिसकी सालाना उत्पादन क्षमता 11 लाख टन है। कंपनी भारी घाटे में चल रही है और 30 मार्च, 2020 से बंद है।
- एनआईएनएल पर पछिले साल 31 मार्च को 6,600 करोड़ से अधिक का कर्ज था। इसमें प्रमोटरों 4,116 करोड़ रुपए, बैंकों का 1,741 करोड़ तथा अन्य लेनदारों और कर्मचारियों का बकाया शामिल है। 31 मार्च, 2021 तक कंपनी की नविल संपत्ति (negative networth) 3,487 करोड़ और संचति घाटा (accumulated losses) लगभग 4,228 करोड़ रुपए है।
- उल्लेखनीय है कि मौजूदा केंद्रीय सरकार में एनआईएनएल का प्राइवेटाइजेशन दूसरा सफल प्राइवेटाइजेशन है। इस लिस्ट में पहली कंपनी एयर इंडिया है जिसे हाल में टाटा ग्रुप ने खरीदा है। टाटा ने एयर इंडिया की खरीद के लिये 18,000 करोड़ रुपए की बोली लगाई और अपने नाम किया।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/tata-steel-to-acquire-nilanchal-ispat-nigam